एग्नेस सैनफोर्ड द्वारा रचित "द हीलिंग लाइट" के पृष्ठ 48 की यह कहानी, 1940 के अमेरिका की है।

एक युवक अस्पताल में भयंकर रूप से बीमार था। उनकी मौसी उनके बिस्तर के पास थी।
एक शाम उन्होंने एगनेस और मित्रो के एक समूह से अपने भांजे के लिए प्रार्थना करने को कहा।
उन्होंने उसके लिए प्रार्थना का समय रात्रि 9:30 में तय किया, और उसकी मौसी से कहा कि ठीक 9:30 बजे रात को उस पर हाथ रखे.....और प्रभु के उपचारपूर्ण जीवन चैनल की तरह कार्य करें।
रात 9:45 में उस युवक ने कहा "लुसी मौसी, मेरे साथ क्या हो रहा है? अचानक मैं बेहतर महसूस कर रहा हूँ। मुझे और तकलीफ नहीं हो रही है।"
अस्पताल में उसे परीक्षण के लिए एक और दिन रखा गया.....परीक्षणों से कुछ नहीं निकला.....पूरी तरह स्वस्थ होने के कारण, वह अपने कपड़े को पहनकर घर चला गया। यह घटना बाल्टीमोर अस्पताल में दर्ज है। डॉक्टर ने कहा "यह एक चमत्कार है।"

प्रिय यीशु,
कृपया मुझे बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करना सिखाएं।